

एक देश एक आँगनवाड़ी कार्यक्रम

प्रलिस के लयल:

आँगनवाड़ी कार्यक्रम, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MoWCD), सरकारी ई-मार्केट (GeM), पोषण अभयान (समग्र पोषण के लयल प्रधानमंत्री की व्यापक योजना), PM पोषण शक्ति निर्माण (PM-POSHAN), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधनियम, 2013 (NFSA), मडि-डे मील, सकषम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0, NHRM

मेन्स के लयल:

भारत में पोषण के मुद्दों से नपिटने के लयल एक राष्ट्र एक आँगनवाड़ी कार्यक्रम का प्रभाव, छपी हुई भुखमरी के मुद्दों हेतु स्थानीय और ववधि समाधान की आवश्यकता है ।

चर्चा में क्यों?

पोषण ट्रैकर एप पर 'एक देश एक आँगनवाड़ी' कार्यक्रम के लयल 57,000 से अधिक प्रवासी शर्मकीं ने पंजीकरण कराया है ।

- पोषण एप प्रवासी शर्मकीं को मोबाइल फोन पर पोषण ट्रैकर एप का उपयोग कर अपने संबंधित स्थानों से नर्सरी तक पहुँचने की अनुमतदिगा ।

पोषण ट्रैकर एप:

- महिला और बाल विकास मंत्रालय (MoWCD)** ने पोषण ट्रैकर नामक एक एप्लीकेशन लॉन्च किया है ।
 - पोषण ट्रैकर प्रबंधन एप्लीकेशन आँगनवाड़ी केंद्र की गतविधियों का 360 डिग्री दृश्य प्रदान करता है ।
 - एप आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं द्वारा कयि गए कार्यों को डिजिटाइज़ और स्वचालित करके कुशल सेवा वतिरण की सुवधि प्रदान करता है ।
 - कामगारों को उनके काम में सहयोग देने के लयल **गवरनमेंट ई-मार्केट (GeM)** के माध्यम से खरीदे गए स्मार्टफोन उपलब्ध कराए गए हैं ।
 - इसके अतरिकित प्रत्येक राज्य में एक नामति व्यक्त को तकनीकी सहायता प्रदान करने और नए पोषण ट्रैकर एप्लीकेशन को डाउनलोड करने तथा उसका उपयोग करने से संबंधित कसिं भी मुद्दे को हल करने के लयल नयिकृत कयिा गया है ।
 - जनि प्रवासी शर्मकीं ने अपने मूल राज्य में पंजीकरण कराया है, वे एपके माध्यम से प्रदान की जाने वाली योजनाओं और सेवाओं का उपयोग करने के लयल अपने वर्तमान नवासि स्थान के निकटतम आँगनवाड़ी केंद्रों में जा सकते हैं ।

एप की उपलब्धियाँ

- वर्ष 2018 में पोषण अभयान की शुरुआत के बाद से अब तक कुल 10 करोड़ 6 लाख लाभार्थी इस एप पर पंजीकृत हो चुके हैं ।
- 11-14 वर्ष के आयु वर्ग में स्कूल छोड़ने वाली बालिकाओं की संख्या में वगित कुछ वर्षों में उल्लेखनीय गरिावट आई है ।
- पूर्वोत्तर और आकांक्षी ज़िलों में 22.40 लाख कशिशोरयिों की पहचान की गई है, जनिहें इस नई योजना के तहत कवर कयिा जाएगा, जो अबोधण 2.0 के दायरे में आती है ।
- छह वर्ष तक की उमर के बच्चों के लयल उमर के हसिाब से टेक-होम राशन की व्यवस्था की जा रही है ।

पोषण अभयान:

- परचिय:**
 - पोषण अभयान (समग्र पोषण के लयल प्रधानमंत्री की व्यापक योजना) को राजस्थान के झुंझुनू ज़िले में 8 मार्च, 2018 को प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च कयिा गया था ।
- उद्देश्य:**
 - बच्चों (0- 6 वर्ष) में स्टंटगि को रोकना और कम करना ।
 - बच्चों (0-6 वर्ष) में अल्प-पोषण (कम वज़न प्रसार) को रोकना और कम करना ।

- छोटे बच्चों (6-59 महीने) में एनीमिया के प्रसार को कम करना।
- 15-49 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं और कशोरियों में एनीमिया के प्रसार को कम करना।
- लो बर्थ वेट (LBW) कम करना।

आँगनवाड़ी:

- **आँगनवाड़ी सेवाएँ** (अब **सकृषम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0** के रूप में नामित) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा कार्यान्वित एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- यह **छह सेवाओं का पैकेज प्रदान करती है**, अर्थात् (i) पूरक पोषण (ii) स्कूल-पूर्व अनौपचारिक शिक्षा (iii) पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा (iv) प्रतरिक्षण (v) स्वास्थ्य जाँच और (vi) रेफरल सेवाएँ।
- यह देश भर में आँगनवाड़ी केंद्रों के मंच के माध्यम से सभी पात्र लाभार्थियों अर्थात् 0-6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को सेवाएँ प्रदान करता है।
 - इनमें से तीन सेवाएँ नामतः प्रतरिक्षण, स्वास्थ्य जाँच और रेफरल सेवाएँ स्वास्थ्य से संबंधित हैं और **राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मशिन** तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसरचना के माध्यम से प्रदान की जाती हैं।

अन्य संबद्ध पहलें:

- **एनीमिया मुक्त भारत अभियान**
- **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013**
- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)**
- **पीएम पोषण शक्ति निर्माण (पीएम-पोषण)**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-से 'राष्ट्रीय पोषण मशिन' के उद्देश्य हैं? (2017)

1. गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण के प्रतजागरूकता पैदा करना।
2. छोटे बच्चों, कशोरियों और महिलाओं में रक्ताल्पता की घटना को कम करना।
3. बाजरा, मोटा अनाज और अपरषिकृत चावल के उपभोग को बढ़ावा देना।
4. मुरगी के अंडे के उपभोग को बढ़ावा देना।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 2 और 3
- (c) केवल 1, 2 और 4
- (d) केवल 3 और 4

उत्तर: (a)

स्रोत: द हट्टि